घायल बच्चा बोला-पटाखे के 306 पैकेट तैयार कर चुके थे

अलवर, 6 अप्रैल (वेब वार्ता)। अलवर-जयपुर रोड पर अलवर से 47 किलोमीटर दूर सरिस्का फोरेस्ट से लगते कस्बे थानागाजी के भड़भूजा मोहल्ले में एक घर में चल रही पटाखा फैक्ट्री में बुधवार दोपहर 3.30 बजे एक के बाद एक धमाके हुए और आग लग गई। आग की चपेट में 8 से 12 साल के 3 बच्चे झुलस गए। एक बच्चा 55 फीसदी तक झुलस गया है। जिसे जयपुर रेफर किया गया है। हादसे में घायल एक बच्चे गौरव (12) ने बताया कि कमरे में उस वक्त वे तीनों ही थे। वे पटाखे के 306 पैकेट तैयार कर चुके थे। इस दौरान एक जलती हुई तीली बारूद पर गिर गई और आग भड़क गई। आदित्य सबसे करीब था, वह उसकी चपेट में आ गया। सनी दूर था। थानागाजी थाना इंचार्ज रामजीलाल मीणा ने बताया कि फैक्ट्री भड़भूजा मोहल्ले के ही गौरी भार्गव की थी। गौरी 50 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मोहल्ले के बच्चों से फैक्ट्री में पटाखे बनवाता था। हादसे के वक्त बुधवार को फैक्ट्री में भड़भूजा मोहल्ले के रहने वाले आदित्य (12), धर्मेंद्र उर्फ सन्नी (8) और गौरव (12) फैक्ट्री में पटाखे बना रहे थे। फैक्ट्री में पटाखे के 306 पैकेट मिले। ये पैकेट बच्चे तैयार कर रहे थे। बच्चों को पैसे का लालच देकर खतरनाक काम कराया जा रहा था। दोपहर 2 बजे स्कूल से आने के बाद बच्चे फैक्ट्री में काम करने चले जाते थे। हादसे में झुलसे एक बच्चे ने बताया कि बारूद के ढेर पर जलती तीली गिरने के कारण आग लग गई थी। आग से पटाखे जलने लगे और धमाके हो गए। हादसे में सबसे ज्यादा 55 फीसदी आदित्य झुलसा है। थानागाजी आदित्य का ननिहाल है। वह नानी के घर रहता है। मूल रूप से आदित्य बहाड़ी बड़ीदामैव (अलवर) का रहने वाला है। आदित्य के हाथ पैर और मुंह बुरी तरह झुलस गए। उसे अलवर जिला अस्पताल से जयपुर रेफर किया है। डॉक्टर का कहना है कि आदित्य की हालत गंभीर है। आदित्य की नानी कृपा ने बताया कि भड़भूजा मोहल्ले में रहने वाला गौरी भार्गव घर में अवैध रूप से पटाखे बनाता है। वह बच्चों को लालच देकर यह काम कराता था। दूसरा बच्चा गौरव 20 फीसदी तक झुलसा है। अलवर के जिला अस्पताल की बर्न यूनिट में गौरव का इलाज चल रहा है। गौरव की मां थानागाजी में ही प्राइवेट स्कूल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। पिता जयपुर में मजदूरी करते हैं। धमाके हुए, लपटें उठी तो पड़ोसियों ने बचाया थानागाजी थाना इंचार्ज रामजीलाल मीणा ने बताया कि फैक्ट्री घर में चल रही थी। एक कमरे में तीनों बच्चे थे। धमाके होने और लपटें उठने के साथ ही बच्चे चिल्लाने लगे। पड़ोसियों ने बच्चों को निकाला और आग पर काबू पाया। फैक्ट्री गौरी भार्गव की बताई जा रही है, आरोपी हादसे के बाद फैक्ट्री को ताला लगाकर फरार हो गया। पीड़ित बच्चे धर्मेंद्र उर्फ सनी ने बताया कि गौरी उन्हें 50 रुपए का लालच दिया करता था। कहता था कि स्कूल से आने के बाद घर आ जाया करो और बम बनाया करो।

पहली के बच्चे से 5वीं जितना चाह रहे माता-पिता

अलवर, 6 अप्रैल (वेब वार्ता)। स्कूली बच्चों के सुसाइड करने के केस बढ़ने का कारण उन पर मानसिक रूप से दबाव होना है। पहली के बच्चे से हम पांचवीं जितना चाहते हैं। माता-पिता हर समय बच्चे पर क्लास में पहले नंबर पर आने का दबाव रखते हैं। बार-बार यह दबाव बच्चों में मानसिक विकार खड़ा कर देता है। जिससे बच्चे डिप्रेशन में चले जाते हैं और सुसाइड जैसा कदम उठा लेते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। बच्चों के माता-पिता व अभिभावकों को अनावश्यक दबाव नहीं देना चाहिए। बच्चों की रुचि देखनी चाहिए। उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए। यह बात राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सदस्य प्रीति भारद्वाज ने कही। वे अलवर में बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण करने पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी बात साझा की। उन्होंने संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। वहां रह रहे बच्चों से बात की। उनकी परेशानियों का जाना। स्टाफ की परेशानियों का भी पता किया।

धर्मांतरण के आरोपी मौलवी को यूपी कोर्ट ने दी जमानत

लखनऊ, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मौलाना कलीम सिद्दीकी को जमानत दे दी है, जिसे सितंबर 2021 में बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन रैकेट चलाने और उत्तर प्रदेश में 100 से अधिक लोगों को परिवर्तित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह आदेश जस्टिस अताउर रहमान मसूदी और सरोज यादव की डबल बेंच ने दिया। राज्य के आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने सिद्दीकी को मेरठ से गिरफ्तार किया था और दावा किया था कि वह देश भर में सबसे बड़ा रूपांतरण सिंडिकेट चलाता है और उसके द्वारा संचालित एक ट्रस्ट में हवाला के माध्यम से दान भी बरामद किया गया था। एटीएस ने जून से सितंबर 2021 तक राज्य भर में 16 लोगों को गिरफ्तार किया था। राज्य सरकार के एक वकील ने कहा कि समानता के आधार पर जमानत दी गई थी, क्योंकि मामले में एक सह-आरोपी इरफान शेख को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी थी। वकील ने कहा, शुरुआत में मार्च 2022 में, शेख की जमानत को उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था और उसने सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का फैसला किया। शेख को कथित धर्मांतरण गिरोह के मास्टरमाइंड के लिए गिरफ्तार किया गया था। महाराष्ट्र के मूल निवासी इरफान ने एक विशेष अदालत एडीजे कक्क (एटीएस/एनआईए) में जमानत के लिए आवेदन किया था, जिसे 21 अक्टूबर, 2021 को खारिज कर दिया गया था। इरफान के वकील ने बाद में उच्च न्यायालय का रुख किया, उसने भी जमानत याचिका रद्द कर दी।

सरकार की यही मंशा थी कि सत्र नहीं चले: खरगे

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकार की यही मंशा थी यह सत्र नहीं चले और अगर सरकार का रुख यही रहा तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दल आगे भी मिलकर लड़ेंगे। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, 'मोदी सरकार लोकतंत्र के बारे में बातें तो बहुत करती है, लेकिन कहने के मुताबिक चलती नहीं है। 50 लाख करोड़ रुपये का बजट सिर्फ 12 मिनट में, बिना चर्चा किए पारित कर दिया गया।' उन्होंने दावा किया, 'सत्तापक्ष की तरफ से संसद की कार्यवाही में बार बार व्यवधान डाला गया। ऐसा पहली बार हुआ है। पूर्व में ऐसा कभी नहीं देखा।' खरगे ने आरोप लगाया, 'सरकार की मंशा थी कि सत्र नहीं चले। इस व्यवहार की हम निंदा करते हैं। अगर सरकार का रुख ऐसा ही रहता है तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और देश तानाशाही की तरफ बढ़ जाएगा।'

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा कि विपक्ष ने अडाणी समूह से जुड़ा मुद्दा उठाया था कि अडाणी की इतना महत्व क्यों दिया जा रहा है और उनकी सम्पत्ति इतनी अधिक कैसे बढ़ी। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने लोकसभा में अडाणी मुद्दे को लेकर सवाल किये थे।' खरगे ने कहा, 'हम मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे थे। जब जेपीसी बनती तो उनके (सत्ता पक्ष के) ज्यादा सदस्य होते, फिर सरकार जेपीसी बनाने से क्यों डरती है?' कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक, ''लगता है कि दाल में कुछ काला है, इसीलिए जेपीसी के गठन की मांग नहीं मानी जा रही है।'' उन्होंने दावा किया कि सत्ता पक्ष ने अडाणी मामले से ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी की लंदन में की गई टिप्पणी का मुद्दा उठाया और उनसे माफी की मांग की।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी को 2019 के मानहानि के एक मामले में अदालत द्वारा दोषी ठहराते और सजा सुनाते ही लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया, लेकिन 2016 में भाजपा सांसद नारणभाई कछाडिया को तीन साल की सजा होने पर भी, अदालत के फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए पूरा समय दिया गया। उन्होंने सवाल किया, 'क्या यही लोकतंत्र है?' उन्होंने कहा कि विपक्ष न्याय, संविधान और लोकतंत्र के लिए लड़ रहा है।

साइबर ठगों की नजर आपके ATM पर

अलवर, 6 अप्रैल (वेब वार्ता)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक(प्रशिक्षण) सचिन मित्तल दो दिन अलवर में रुके। यहां एसपी ऑफिस, थानों का निरीक्षण किया। इसके बाद गुरुवार को पत्रकारों से वार्ता की। जिसमें एडीजी ने माना कि अलवर-भरतपुर में सबसे अधिक अपराध है। अपराध में भी साइबर क्राइम सबसे अधिक है। इतना भी साफ किया कि मेवात क्षेत्र में पहले जो टटलूबाज थे वे साइबर क्राइम को जान गए। अब साइबर ठगी करते हैं। तभी तो अलवर जिले की पुलिस ने हाल में 18 हजार संदिग्ध सिम नंबर ब्लॉक कराए। वहीं भरतपुर में पिछले साल 58 हजार सिम नंबर ब्लॉक कराए थे। उन्होंने कहा कि साइबर ठगों के आसपास छोटे-छोटे गांवों में आउटसोर्स के जरिए, ग्रुप तक खुल गए है। जिससे ठगों को रकम निकालने में आसानी हो गई। साइबर अपराध को रोकने के लिए अब पब्लिक को अवेयर बनाने की जरूरत है। आमजन को समझाना होगा कि अनावश्यक कॉल में झांसे में नहीं आएं। कोई किसी भी तरह से लालच देकर जानकारी मांगे तो नहीं दें। ऐसा सब समझ जाएंगे तो साइबर अपराध काफी कम हो जाएगा। पुलिस ने अनेक ठग पकड़े भी अलवर जिले में पुलिस ने कई बार बड़े अपराधी पकड़े हैं। जिनसे 100-200 सिम व अन्य सामग्री मिली है। उनके जरिए कई अन्य ठगों को गिरफ्त में लिया गया। पुलिस भरसक प्रयास करती है। अब साइबर थाना भी अलग से खोला गया है। थाने में धीरे-धीरे तकनीक साधन व नफरी भी बढ़ाई जाने लगी है। ताकि आमजन को को रिलीफ मिल सके। अलवर एसपी के जरिए साइबर अपराध को रोकने के लिए टोल फ्री नंबर तक है। जिससे आमजन को काफी रिलीफ मिली भी है। प्लानिंग करने की जरूरत भी उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम को लेकर प्लानिंग करने की जरूरत है। कुछ पुलिस मुख्यालय के स्तर के हैं तो कुछ सरकार के स्तर के प्रयास किए जाने हैं। उस आधार पर आगे काम किया जाएगा। जाब्ते की कमी रहती है। पर नौकरी का भी तो यही है। फिर भी कमी है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। इसमें समय लगता है। वैसे यह सही है कि कम जाब्ता होने से असर पड़ता है। दो दिन तक पुलिसकर्मियों के कामकाज को लेकर जांच की है। आवश्यक सुधार पर चर्चा हुई है। ताकि पुलिस को काम करने में सहूलियत मिल सके। उनके अलाउंस आसानी से मिल सकें। इस दौरान एसपी आनंद शर्मा, एएसपी सरिता सिंह सहित कई पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

8वीं मंजिल से गिरकर जाम्बिया के छात्र की मौत

ग्रेटर नोएडा, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र की जेपी अमन सोसाइटी में एक हादसा हो गया। जहां 8वीं मंजिल से गिरकर एक विदेशी छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उसके परिजनों और एम्बेसी को जानकारी दे दी गई है। नॉलेज पार्क थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात करीब 11:30 बजे थाना नॉलेज पार्क पर जेपी अमन सोसाइटी सेक्टर-151 से सूचना दी गई कि जाम्बिया का एक नागरिक ममाबा एम बवालिया जेपी अमन सोसायटी के टावर नंबर-15 के 8वें फ्लोर की बालकनी से नीचे गिर गया। सूचना मिलते ही थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिम्स हॉस्पिटल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक शारदा यूनिवर्सिटी का छात्र था और वह शारदा यूनिवर्सिटी से बीबीए की पढ़ाई कर रहा था तथा अपने 2 अन्य जाम्बियन साथियों के साथ फ्लैट में रहता था। तीनों ने अलग अलग कमरे ले रखे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि साथ में रहने वाले दोस्तों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है।

फार्म ए

सार्वजनिक सूचना

(भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड के विनियम 6 के अंतर्गत)
(कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम, 2016)

एवलॉन रोज़वुड आवासीय परियोजना के लेनदारों के ध्यान के लिए

मैसर्स एवलॉन प्रोजेक्ट्स द्वारा (जीआरजे डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई) जिसका पंजीकृत कार्यालय 64, सिंधिया हाउस, कनॉट प्लेस नई दिल्ली -110001 में है

प्रासंगिक विवरण

1	कॉर्पोरेट देनदार का नाम	**मैसर्स एवलॉन प्रोजेक्ट्स (जीआरजे वितरकों और डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड यूएमआरईडी की एक इकाई)**
2	कॉर्पोरेट देनदार को शामिल करने की तारीख	23.11.1998
3	प्राधिकरण जिसके तहत कॉर्पोरेट देनदार शामिल/पंजीकृत है	आरओसी-दिल्ली
4	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/सीमित देयता पहचान कॉर्पोरेट देनदार की संख्या	CIN: U51396DL1998PTC097177
5	कॉर्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय और प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालय: 64, सिंधिया हाउस, कनॉट रेस नई दिल्ली-110001 प्रोजेक्ट ऑफिस: एवलॉन रोज़वुड प्रोजेक्ट, खानपुर, अलवर बायपास रोड, सेक्टर 16, भिवाड़ी, राजस्थान 301019
6	कॉर्पोरेट देनदार के संबंध में दिवाला प्रारंभ तिथि	16-02-2023 (आदेश की तिथि), 23-03-2023 (आईआरपी की नियुक्ति की तिथि) और 05-04-2023 (आदेश प्राप्त होने की तिथि)
7	दिवाला समाधान प्रक्रिया बंद होने की अनुमानित तिथि	15-08-2023 (दिवालिया होने की तिथि से 180 दिन)
8	अंतरिम रिज़ॉल्यूशन पेशेवर के रूप में दिवाला पेशेवर अभिनय का नाम और पंजीकरण संख्या	**संजीत कुमार शर्मा** IBBI/IPA 001/IP-P01132/2018-19/11827 AFA No.AA1/11827/02/181223/105158
9	अंतरिम समाधान पेशेवर का पता और ई-मेल, जैसा कि बोर्ड के साथ पंजीकृत है	बीई 149, स्ट्रीट नंबर 5, हरि नगर, दिल्ली-110064 ईमेल: Sansharma1975@Gmail.Com
10	अंतरिम समाधान पेशेवर के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किया जाने वाला पता और ई-मेल	बीई 149, स्ट्रीट नंबर 5, हरि नगर, दिल्ली-110064 ईमेल: Cirp.GrjAvalonrosewood@Gmail.Com
11	दावों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	19.04.2023
12	लेनदारों का वर्ग, यदि कोई हो, धारा 21 की उप-धारा (6ए) के खंड (बी) के तहत, अंतरिम संकल्प द्वारा पता लगाया गया	रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में आवंटी
13	एक वर्ग में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए पहचान किए गए दिवाला पेशेवरों के नाम (प्रत्येक वर्ग के लिए तीन नाम) रियल एस्टेट आवंटी 1. श्री मुनीश अग्रवाल (IBBI/IPA-001/IP-02416/2021-2022/13622) 2. श्री कपिल देव धीर (IBBI/IPA-001/IP-P-02077/2020-2021/13227) 3. श्री सुमित शर्मा (IBBI/IPA-001/IP-02323/2020-2021/13513)	
14	(ए) प्रासंगिक प्रपत्र सबूतों के साथ दावों को प्रस्तुत करना भारतीय दिवाला और दिवालियापन बोर्ड (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम 2016 के अध्याय IV के अनुसार किया जाना है। दावे का प्रमाण में प्रस्तुत किया जाना है निम्नलिखित निर्दिष्ट रूपों के माध्यम से: फॉर्म बी - परिचालन लेनदारों द्वारा दावों के लिए फॉर्म सी - घर खरीदारों के अलावा अन्य वित्तीय लेनदारों के दावों के लिए फॉर्म सीए - घर खरीदारों के दावों के लिए फॉर्म डी - कामगारों और कर्मचारियों द्वारा दावों के लिए फॉर्म ई - कामगारों और कर्मचारियों के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा दावों के लिए फॉर्म एफ - लेनदारों द्वारा दावों के लिए (परिचालन लेनदारों और वित्तीय लेनदारों के अलावा) फॉर्म प्राप्त करने के लिए, आप वेबसाइट https://ibbi.gov.in/en/home/downloads पर उपर्युक्त फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं: (बी) अनुरोध पर अधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण मेल (cirp.grj.avalonrosewood@gmail.com) के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।	

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 16/02/2023 को **मैसर्स एवलॉन प्रोजेक्ट्स (जीआरजे वितरकों और डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड यूएमआरईडी की एक इकाई)** की कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।
मैसर्स एवलॉन प्रोजेक्ट्स (जीआरजे वितरकों और डेवलपर्स प्राइवेट यूएमआरईडी की एक इकाई) के लेनदार, एतद्वारा प्रविष्टि संख्या 10 के सामने उल्लेखित पते पर 19/04/2022 को या उससे पहले अंतरिम समाधान पेशेवर को सबूत के साथ अपने दावे प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।
वित्तीय लेनदारों को अपने दावों को केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रमाण के साथ प्रस्तुत करना होगा। अन्य सभी लेनदार व्यक्तिगत रूप से, डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रमाण के साथ दावे प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रविष्टि संख्या 12 के सामने सूचीबद्ध वर्गों से संबंधित एक वित्तीय लेनदार, फॉर्म सीए में वर्ग के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए प्रविष्टि संख्या 13 के खिलाफ सूचीबद्ध तीन दिवाला पेशेवरों में से अधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद का संकेत देगा [वर्तमान में कोई नहीं]।
दावे के झूठे या भ्रामक प्रमाण प्रस्तुत करने पर दंड लगाया जाएगा।

-एसडी-
श्री संजीत कुमार शर्मा
अंतरिम समाधान पेशेवर
मैसर्स एवलॉन प्रोजेक्ट्स
(जीआरजे वितरकों और डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड यूएमआरईडी की एक इकाई)
दिनांक: 06.04.2022
स्थान: नई दिल्ली
पंजीकरण संख्या: आईबीबीआई/आईपीए-001/आईपी-पी01132/2018-19/11827
एएफए संख्या: एए1/11827/02/181223/105158

कांग्रेस नेता ए के एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी ने थामा भाजपा का कमल

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। केरल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं देश के पूर्व रक्षा मंत्री ए के एंटनी के पुत्र अनिल कुमार एंटनी ने आज यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की।

पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन की मौजूदगी में राज्यसभा के नेता सदन एवं केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने श्री एंटनी को अंगवस्त्र पहना कर और सदस्यता पर्ची सौंप कर भाजपा में उनका स्वागत किया। बाद में श्री एंटनी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निवास पर जा कर उनकी शुभकामनाएं ग्रहण कीं। श्री एंटनी ने कहा कि बहुत से कांग्रेस नेता मानते हैं कि उनकी ड्यूटी एक परिवार विशेष के लिए काम करना है लेकिन उनका मानना है कि उनकी ड्यूटी लोगों के लिए काम करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट विज़न है कि अगले 25 वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इस काम में योगदान करके उन्हें गर्व महसूस होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने डीआरडीओ को दी निर्माण क्षमता पर फोकस करने की सलाह

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमानों की डिजाइन फाइनल होने के बाद दो इंजन वाले उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) की मंजूरी के लिए, सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) को प्रस्ताव भेज दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीआरडीओ को मुख्य निर्माण क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने, देरी और लागत में वृद्धि से बचने के लिए कहा है। एएमसीए का पहला प्रोटोटाइप 2026 तक तैयार होने की उम्मीद है।

सीसीएस से पांचवीं पीढ़ी के 4 एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोटोटाइप के लिए मंजूरी मिलना बाकी है। वैसे तो इस तरह के लड़ाकू विमान बेहद खास विशेषताओं के कारण महंगे हैं, लेकिन भारत का स्वदेशी एएमसीए विदेशी विमानों की तुलना में कम महंगा होगा। साथ ही स्वदेशी उपकरणों और प्रणालियों के साथ ये विमान आत्मनिर्भर भारत की पहचान होंगे। एएमसीए की डिजाइन एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) ने फाइनल कर दी है, जिसके बाद फंडिंग के लिए सीसीएस से संपर्क करने का डीआरडीओ का फैसला ऐसे समय में आया है, जब पीएम मोदी ने संगठन को अपनी मुख्य क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने और समय की देरी और लागत में वृद्धि से बचने के लिए कहा है। भारत में जीई-414 इंजनों के प्रौद्योगिकी उत्पादन के 100 प्रतिशत हस्तांतरण के लिए भारत-अमेरिका वार्ता चल रही है, क्योंकि डीआरडीओ ने एलसीए तेजस मार्क-2 और एएमसीए दोनों को एक ही इंजन से चलाने का फैसला किया है। इस साल मई-जून में फ्रांस में एयर इनटेक टेस्ट सर्टिफिकेशन पूरा होने के बाद जीई-414 इंजन के साथ एलसीए तेजस मार्क-2 के अगले साल रोल आउट होने की उम्मीद है। चूंकि मार्क-2 का सर्टिफिकेशन मार्क-1 के समान है, इसलिए डीआरडीओ सर्टिफिकेशन होने के बाद अगले वर्ष तक एलसीए का पहला प्रोटोटाइप तैयार करने के बारे में आश्वस्त है।

आईपीसीडब्ल्यू के फेस्ट के दौरान प्रताड़ना के खिलाफ डीयू के छात्रों ने की रैली

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों ने इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन (आईपीसीडब्ल्यू) में सांस्कृतिक उत्सव के दौरान प्रताड़ना के शिकार छात्रों के लिए न्याय की मांग करते हुए गुरुवार को नॉर्थ कैंपस में एक रैली निकाली। कथित प्रताड़ना की घटना पिछले सप्ताह की है। रैली का आयोजन वाम-समर्थित ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (एआईएसए) ने किया था। क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) के कार्यकर्ता भी इसमें शामिल हुए। विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आईपीसीडब्ल्यू की प्रिंसिपल पूनम कुमारिया के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने डीयू के कुलपति को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें उन्हें हटाने की मांग की गई है। केवाईएस ने एक बयान में कहा, विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों और कार्यकर्ताओं की मांग पर त्वरित कार्रवाई करने की बजाय डीयू और आईपीसीडब्ल्यू प्रशासन अब उनके प्रति उदासीन बना हुआ है।

ग्रेटर नोएडा में घर में चोरी करने वाली मेड गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस ने घर में चोरी करने वाली एक मेड को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी का सामान व सोने और चांदी के आभूषण भी बरामद किए हैं। यह पिछले 6 महीने से अपने मालिक के घर में चोरी की घटना को अंजाम दे रही थी। रोजाना उस घर से चोरी करके ले जाती थी, जिसकी घरवालों को भनक तक नहीं लगी। एनआरआई सिटी में रहने वाले मयंक सहगल बिजनेसमैन हैं। सूरजपुर में उनकी एक कंपनी है। उनके घर एनआरआई सिटी में सीमा नाम की एक घरेलू सहायिका काम कर रही थी। पिछले एक वर्ष से वह घर पर कार्य कर रही थी तो उसने सभी परिवार वालों का भरोसा भी जीत रखा था। लेकिन कुछ महीने से इनके घर से एकाएक चीजें चोरी होनी शुरू हो गईं। घर से सोने व चांदी के जेवरात महंगे बर्तन, कपड़े आदि चोरी होने शुरू हो गए। यह चीजें एक साथ चोरी नहीं हुईं। आए दिन कुछ न कुछ चोरी होने लगा, लेकिन चोर के बारे में घर वालों को कुछ पता नहीं चल रहा था। चोरी का खुलासा उस दिन हुआ, जब उनकी घरेलू सहायिका सीसीटीवी कैमरे में सामान ले जाते हुए कैद हो गई। इसके बाद इन लोगों ने पुलिस में शिकायत की और पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद मेड सीमा को गिरफ्तार कर लिया। सीमा की निशानदेही पर उसके घर तुगलपुर से चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया गया। इस सामान में सोने, चांदी की ज्वेलरी महंगे बर्तन, कपड़े, घड़ियां व उसके अलावा कई एंटीक आइटम भी थे। उसके कब्जे से लाखों रुपए का सामान बरामद हुआ है। यह घर से सामान को चोरी करने के बाद अपने घर ले जाकर रख दिया करती थी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज उत्तर प्रदेश की यात्रा करेंगे

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की यात्रा करेंगे, जिस दौरान वह 'कौशाम्बी उत्सव-2023' का उद्घाटन करेंगे तथा आजमगढ़ में 4,567 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाह पहले कौशाम्बी जिला जायेंगे जहां, वह कौशाम्बी उत्सव 2023 का उद्घाटन करेंगे और ग्रामसभा फसेया में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। अधिकारियों के मुताबिक गृहमंत्री दोपहर में आजमगढ़ के नामदारपुर में हरिहरपुर संगीत महाविद्यालय की आधारशिला रखेंगे।

नीतीश पर ओवैसी का पलटवार, कहा- प्रशासन सुधारने की बजाय नीतीश कुमार पुराना कैसेट दोहरा रहे हैं

पटना, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से भाजपा का एजेंट बताये जाने को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर पलटवार किया है।

गुरुवार को उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नाकामियां गिनाते हुए कहा कि जुलूस के नाम पर हिन्दुत्ववादी ऑर्गेनाइजेशन ने फसाद फैलाया और प्रशासन उन्हें रोकने में नाकाम रहा। प्रशासन को ठीक करने के बजाय नीतीश कुमार वही पुराना कैसेट दोहरा रहे हैं कि हम भाजपा के एजेंट हैं।

औवेसी ने 2002 के गुजरात दंगों की याद दिलाते हुए आरोप लगाया कि उस समय नीतीश कुमार रेल मंत्री थे। आप भाजपा के साथ रहे। आप भाजपा के साथ सत्ता में रहकर बिहार के मुख्यमंत्री बने। फिर नरेन्द्र मोदी के साथ आप मिल गए और फिर से मुख्यमंत्री बने। बिहार में जिसने भाजपा को मजबूत किया, जिसने भाजपा की जड़ें मजबूत की, वह हम पर इल्जाम लगा रहा है। ये क्या, नीतीश कुमार लगता है कि नोटरी एजेंट है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नसीहत देते हुए कहा आप आपके भतीजे को लेकर उस मदरसा अजीजिया पर जाइये और मुआवजे का ऐलान कीजिये। जो भी आरोपी पुलिस वाले हैं उनके खिलाफ कार्रवाई करिये। उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में सांप्रदायिक हिंसा को रोक पाने में विफलता के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य में हिंसा कराई गई। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के इस बयान पर कि दंगा से भाजपा और जदयू दोनों को फायदा होता है, पर नीतीश कुमार ने कहा था कि केंद्र में जो सत्तारूढ़ दल है, वो (ओवैसी) उनके ही एजेंट हैं। उन्होंने कहा कि जिन पार्टियों के बड़ी संख्या में सांसद हैं, उनसे अधिक खबरें असदुद्दीन ओवैसी की छपती हैं। (वह) कहां के रहने वाले हैं और कहां समाचार छपता है। उनका यहां कुछ है क्या।

भाजपा जम्मू कश्मीर में चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार: कौल

श्रीनगर, 06 अप्रैल (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू कश्मीर इकाई के महासचिव अशोक कौल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी राज्य में चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्री कौल ने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में भाजपा के 44वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान मीडियाकर्मियों से कहा कि जब भी भारत का चुनाव आयोग तारीख की घोषणा करेगा, भाजपा जम्मू कश्मीर में चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं को द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की ओर से हाल ही में दी गई कथित धमकियों के बारे में श्री कौल ने कहा कि इस तरह की धमकियां अक्सर आती हैं। उन्होंने कहा, यह उनका काम है और वे इसे करते रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक युवराज सिंह के लिए, सोनू वेब ऑफसेट, नींदड़ मोड़ के सामने, हरमाड़ा-सीकर रोड, जयपुर से मुद्रित व कार्यालय दुकान नं. 1 वार्ड नं. 1, इण्डियन मेडिकल हॉल के पास, हमीन्दपुर रोड, बहरोड़, जिला-अलवर (राजस्थान) से प्रकाशित। संपादक युवराज सिंह, पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से सम्पादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय सम्बन्धी सभी मामले जयपुर में निपटाये जायेंगे। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना पूर्णत: व आंशिक व पूर्ण प्रकाशन पूर्णत: प्रतिबन्धित है। सम्पादक-युवराज सिंह। मो. नम्बर: 9829410051 ई-मेल-yuvrajsinghh@gmail.com